संक्रामक टीबीग्रस्त वयस्कों के संपर्क में आने से बच्चों में टीबी होता है।

बच्चों में टीबी रोग की रोकथाम एवं उपचार

बच्चों को टीबी होने से रोकना

जिन का निदान नहीं किया गया है या उपचार नहीं किया गया है ऐसे बच्चों में टीबी का असर गंभीर होता है। वयस्कों के मुक़ाबले में टीबी के संक्रमण के बाद बच्चों को टीबी रोग शीघ्रही हो जाता है और उन्हें गंभीर स्वरुप के टीबी होने की भी ज़्यादातर संभावना है।

उन बच्चों के लिये जो निश्चित रुप से संक्रामक टीबीग्रस्त व्यक्ति के संपर्क में आये हों उन के लिये:

- आम तौर पर दो टीबी त्वचा-परिक्षण की सलाह दी जाती है - एक परिक्षण फौरन करवाना है और दूसरा परिक्षण टीबीग्रस्त के संपर्क में आने के ८ से १२ सप्ताहों के बाद में करवाना है। पब्लिक हेल्थ नर्स आप को बतायेगी कि कब दूसरा त्वचा-परिक्षण करवाना है।
  - यदि पहला या दूसरा त्वचा-परिक्षण पोज़िटीव निकलता है और छातीका एक्स रे नोर्मल है तो आप के बच्चे कौ अप्रकट टीबी संक्रमण (एलटीबीआई) है और उसे ९ महिनों तक, या डॉक्टर के कहने तक दवा लेनी चाहिये।
  - यदि पहला और दूसरा, दोनों त्वचा-परिक्षण नेगेटीव निकलते हैं, तो आप के बच्चे को टीबी का संदूषण नहीं हुआ है।
- ४ साल या उस से कम उम्र वाले बच्चों का:
  - उन का पहला त्वचा-परिक्षण अगर नेगेटीव भी निकलता है तब भी उन की छाती का एक्स रे निकलवाना चाहिये तथा बच्चों के टीबी स्पेशॅलिस्ट से डॉक्टरी जाँच करवानी चाहिये।
  - उन का पहला त्वचा-परिक्षण अगर नेगेटीव भी निकलता है और छाती का एक्स रे भी नोर्मल निकलता है, तब भी टीबी रोग होने से बचाने के लिये उनकी दवा फौरन शुरु कर देनी चाहिये। छोटे बच्चों को इस दवा की ज़रुरत है क्यों कि बड़े बच्चों एवं वयस्कों के मुक़ाबले में उन का प्रतिरक्षा तंत्र (इम्युनिटी) कमज़ोर होता है और दूसरे परिक्षण का इन्तज़ार करने में वे बहुत बीमार हो जा सकते हैं।
  - जब तक दूसरा त्वचा-परिक्षण नहीं हो जाता, ये दवा जारी रखें। जब तक दूसरे त्वचा-परिक्षण का परिणाम (कि उन्हें संदुषण लगा है या नहीं) पता नहीं चलता, आप के बच्चे को दवा पर रखना ज़रुरी है। अगर दूसरा त्वचा-परिक्षण नेगेटीव निकलता है, तो दवा बंद की जा सकती है।

बच्चों में टीबी रोग

संक्रामक टीबीग्रस्त वयस्कों के संपर्क में आने से बच्चों में टीबी होता है। ४ साल या उस से कम उम्र वाले बच्चों में टीबी के लक्षण या चिह्न प्राय: नहीं दिखाई देते ओर वे आम तौर पर संक्रामक नहीं होते। सक्रिय टीबी रोग का निदान सामान्यत: छाती के एक्स रे में पाई जाने वाली असामान्यताओं के आधार पर किया जाता है।

बड़े बच्चों तथा किशोरावस्था के बच्चों में लक्षण पाये जा सकते हैं, जैसे कि बुखार, खाँसी, रात को पसीना होना, दर्द और / या सूजन, वज़न का कम होना और ताकत व आहार-रुचिमें बदलाव आना

बच्चों में टीबी रोग की रोकथाम एवं उपचार..जारी

बच्चों के सक्रिय टीबी रोग का उपचार

बच्चों के और वयस्कों के सक्रिय टीबी रोग के उपचार के काम में लाये जाने वाली दवायें एक समान है। बच्चे के वज़न के हिसाब से छोटे बच्चों की दवा प्रवाही रुप में लिख दी जा सकती है। यदि आप के बच्चे का वज़न बढ़ता है या कम होता है तो अपने डॉक्टर से बतायें।

स्वास्थ्य-संबंधित विस्तृत सेवा कर्मचारी (हेल्थ आउटरीच वर्कर) (HOW) आप को प्रत्यक्ष निरीक्षण चिकित्सा (DOT) देंगे। वे आप की तथा आप के बच्चे की मुलाक़ात करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि आप का बच्चा:

- जैसे लिख कर दिया गया है ठीक उसी तरह से दवा ले रहा है
- दवा बरदाश्त कर पा रहा है
- उस के पास पर्याप्त मात्रा में दवा है

सहगामी दुष्प्रभावों को नियंत्रित करना

सामान्यत: टीबी की दवा सलामत होती है, परन्तु कुछ बच्चों को सहगामी दुष्प्रभाव का सामना करना पड़ सकता है। तब दवा देना बन्द कर दें और अगर आप के बच्चे को:

- मतली
- ऊल्टी
- ददोड़ा
- पेट में दर्द
- आँखों में या चमडी में पीलापन
- कमज़ोरी

का अनुभव हो रहा हो तो अपने डॉक्टर को फ़ौरन फोन करें

अपने बच्चे को दवा देना याद रखने के लिये सुझाव

- दवा को ऐसी जगह पर रखिये जहां से वह आप को दिखाई दे, मगर बच्चा उस तक पहूंच न पाये
- हर दिन एकही समय पर बच्चे को दवा दें
- गोली या कैप्स्युल के लिये पिल ओर्गेनाइज़र (गोलीओं को आयोजित रुप से रखने की डिबिया) का इस्तेमाल करें
- जब भी प्रवाही दवा दी जाये तब उसे एक कैलेंडर पर अंकित करना चाहिये

अपने बच्चे को दवा निगलवाने में मदद के लिये सुझाव

- थोड़े से नरम आहार, जैसे कि एपल सोस, कुचले हुए केले, दही, पुडिंग या बेबी फूड के साथ एक छोटी सी कटोरी में दवा को कुचल डालिये
- प्रवाही दवा की मात्रा नापने के लिये मेड़ीसिन कप या बिना सूई की सिरिंज का उपयोग करें
- जब बच्चा दवा निगल ले तब उस की प्रशंसा करें
- छोटा सा इनाम दें, जैसे कि स्टीकर

बच्चों के और वयस्कों के टीबी रोग के उपचार में लीये जाने वाली दवायें ए क समान है।